2. चौथ का बारवाड़ा
3. छोटी सदरी
4. गजसिंहपुर
5. जेतसर
6. मारवाड़ मुंडवा
7. नापासर
8. पाली मारवाड़
9. श्री विजयनगर
10. उनियारा

(ग) 1968-69 में अब तक 13 लम्बी दूरी के सार्वजनिक टेलीफोनघर खोले जा चुके हैं। 10 और सार्वजनिक टेलीफोनघर चालू किए जाने की संभावना है, किन्तु यह सामान के उपलब्ध होने पर निर्भर करता है।

जयपुर के लालसोट नगर में टेलीफोन लगाना

3305. **श्री मीठालाल मीना** : क्या संचार मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राजस्थान में जयपुर जिले के लालसोट नगर के बहुत से व्यापारियों ने टेलीफोन लगाने के लिये आवेदन पत्र दिये हैं ;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस कार्य के लिए जो राशि देगी पड़ती है उसे भी बहुत से लोगों ने जमा करा दिया है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि इन बातों के बावजूद वहां टेलीफोन केन्द्र स्थापित करने में देर की जा रही है ;

(घ) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ; और

(ङ) यदि नहीं, तो टेलीफोन केन्द्र कब तक स्थापित किया जायेगा ?

संसद्-कार्य विभाग तथा संचार विभाग में राज्य मन्त्री (श्री इ० मु० गुजराल) : (क) जी नहीं।

(ख) जी नहीं।

(ग) प्रश्न ही नहीं उठता।

(घ) प्रश्न ही नहीं उठता।

(ङ) इस समय लालसोट में एक दस लाइनों का लम्बी दूरी का सार्वजनिक टेलीफोन घर है, जिसका मूल संबंध दौसा एक्सचेंज से है और उससे केवल एक विस्तार टेलीफोन कनेक्शन दिया हुआ है। प्रतीक्षा सूची पर आठ मांगे और है जिनको मेगनेटो यंत्र उपलब्ध न होने के कारण कनेक्शन नहीं दिने जा सके हैं। लालसोट में एक नियमित टेलीफोन एक्सचेंज खोलने के प्रश्न पर अलग से जांच की जा रही है।

Agricultural University at Gorakhpur

3306. SHRI MAHANT DIGVIJAI NATH :
SHRI D. N. PATODIA :

Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether there is any proposal under the consideration of Government for setting up an Agricultural University at Gorakhpur ; and

(b) if so, the details thereof ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMMNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION (SHRI ANNASAHIB SHIDE) : (a) No.

(b) Does not arise,

Long-Term Loans to Agriculturists in Madhya Pradesh

3307. SHRI BABURAO PATEL :
SHRI G. C. DIXIT :

Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state :

(a) the total amount advanced as long-term loans to the agriculturists in Madhya Pradesh during the years 1965-66, 1966-67 and 1967-68, yearwise ;

(b) whether it is a fact that quite a few farmers who were given loans in year 1965-66 were refused loans in 1967-68 because they had supported political parties other than the Congress in the last elections ; and

(c) the names of commercial banks in Madhya Pradesh who have been permitted